भारत का भौतिक स्वरूप

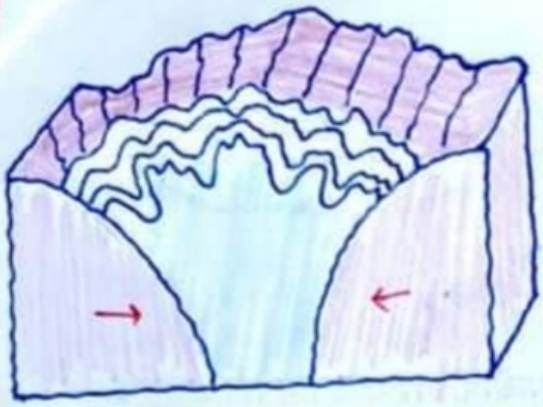

हिमालय की उत्पत्ति : करोड़ो वर्ष पहले हिमालय पर्वत की जगह पर टेथिस महासागर था। इसके उत्तर में अंगारालैण्ड और दक्षिण में गोंडवानालैण्ड नामक दो भू-भाग थे। इन भू-भागों में बहने वाली नदियों का जल इसी महासागर में गिरता था। पानी के साथ बहकर आया मलबा महासागर की तलहटी में जमा होता गया। पृथ्वी की आन्तरिक हलचल के कारण जमा मलबा मोड़दार पर्वत के रूप में ऊपर उठता गया. जिससे विश्व की सबसे ऊँची पर्वत श्रृंखला हिमालय का निर्माण हुआ।

हमारे देश (भारत) के भौतिक स्वरूप को पाँच भागों में बाँटा गया है:

1. उत्तर का पर्वतीय भाग
2. उत्तर का मैदानी भाग
3. थार का मरुस्थल
4. दक्षिण का पठारी भाग
5. समुद्र तटीय मैदान एवं द्वीप समूह

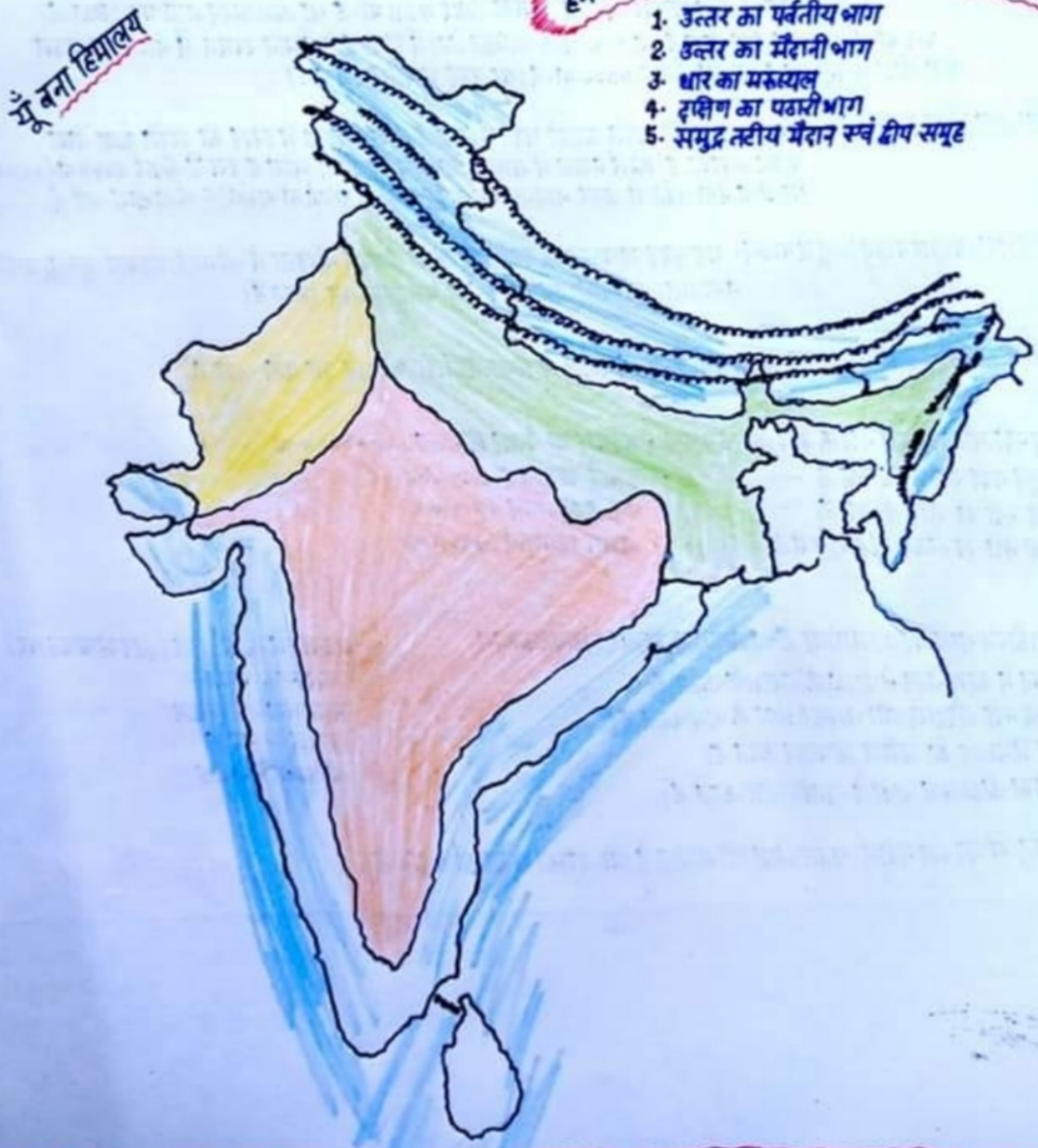

उत्तर का पर्वतीय भाग

भारत की उत्तरी सीमा पर एक विशाल पर्वत-श्रृंखला है जो पश्चिम में जम्मू-कश्मीर से लेकर पूरब में अरुणाचल प्रदेश तक फैली है। इसे हिमालय नाम से जाना जाता है।
उत्तर के इस पर्वतीय क्षेत्र को चार श्रेणियों में बाँटा गया

1. ट्रान्स हिमालय क्षेत्र (हिमालय-पार)
2. हिमाद्रि श्रेणी / वृहद हिमालय /
3. हिमाचल श्रेणी / मध्य हिमालय
4. शिवालिक श्रेणी / उप हिमालय

* हिमालय की 2400 km लम्बी श्रृंखला भारत से गुजरती है। *

1. ट्रान्स हिमालय क्षेत्र- यह हिमालय के उत्तर में स्थित है। यहाँ मुख्यत: काराकोरम, लद्दाख, कैलाश पर्वत श्रेणियां हैं। यहाँ का सर्वोच्च पर्वत शिखर K-2 है जिसकी ऊँचाई 8611 मी० है जो काराकोरम श्रेणी पर स्थित है। K-2 भारत की सबसे ऊँची चोटी है जो POK (पाक अधिकृत क्षेत्र) में स्थित है। वर्तमान समय में भारत की सबसे ऊँची चोटी कंचनजंगा है जिसकी ऊँचाई 8596 मी० है। यह वृहद हिमालय क्षेत्र में है।

2. हिमाद्री श्रेणी / वृहद हिमालय- यह हिमालय की सबसे उत्तरी पर्वत श्रृंखला है। इस श्रृंखला में विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट है। जिसे नेपाल में सागरमाथा नाम से जाना जाता है इसकी ऊँचाई 8848 मी० / 8850 मी० है। यह श्रेणी नंगा पर्वत से लेकर नामचाबरवा पर्वत तक है। दुनिया की सर्वाधिक ऊँची चोटी यहीं है

3. हिमाचल श्रेणी / मध्य हिमालय / लघु हिमालय- यह वृहद हिमालय के दक्षिण में स्थित है। इस श्रृंखला में श्रीनगर, शिमला, कुल्लू, डलहौजी नैनीताल, अल्मोड़ा, दार्जिलिंग जैसे पर्यटक स्थल स्थित हैं।

4. शिवालिक श्रेणी / उपहिमालय- यह हिमालय के सबसे दक्षिण में स्थित है। यहाँ पर घने वन पाये जाते हैं।

- सिन्धु नदी और सतलुज नदी के बीच का हिमालय → कश्मीर या पंजाब हिमालय (लं० - 560 km)
- सतलुज नदी से काली नदी के ⟶ कुमायूँ हिमालय (320 km)
- काली नदी से तीस्ता नदी के ⟶ नेपाल हिमालय (800 km)
- तीस्ता नदी से लेकर दिहांग नदी के ⟶ असम हिमालय (720 km)

- काराकोरम श्रेणी पर 4 ग्लेशियर हैं- सियाचीन, हिस्पर, बियाफो, बाल्टोरा
- तिब्बत में काराकोरम श्रेणी को कैलाश श्रेणी कहते हैं
- सिन्धु नदी लद्दाख और जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
- वृहद हिमालय को सर्वोच्च हिमालय कहते हैं
- एवरेस्ट को तिब्बती भाषा मे चोमोलुंगमा कहते हैं।

- चार सबसे ऊँची चोटी (वृहद हिमालय पर)
  * एवरेस्ट - नेपाल
  * कंचनजंगा - सिक्किम
  * मकालू - नेपाल
  * धौलागिरि - नेपाल

- भारत में सबसे नवीन पर्वत श्रेणी शिवालिक है जो वलित पर्वत का उदा० है।

भारत का उत्तरी मैदान

हिमालय के दक्षिण में भारत का विशाल मैदान स्थित है। यह विश्व का सबसे विस्तृत समतल मैदान है। जो भारत में लगभग 2400 km लम्बाई में फैला है। इसका ढाल पश्चिम से पूर्व की ओर है। यह मैदान नदियों द्वारा लाई गई उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी से बना है।

नदी तंत्र के आधार पर मैदानी भाग को तीन भागों में बाँटा गया

- सिन्धु नदी तंत्र
- गंगा नदी तंत्र
- ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र

थार मरूस्थल-

भारत के पश्चिम दिशा में सैकड़ों मील लम्बा-चौड़ा रेत का मैदान है जिसे थार का मरूस्थल कहते हैं। रेत के छोटे-बड़े टीले दिखते हैं जिन्हें बालूका स्तूप कहते हैं।
इस मरूस्थल की प्रमुख नदी लूनी है। जो अरावली की पहाड़ियों से निकलती है। मरूस्थल के बीच जहाँ कहीं थोड़ा पानी, हरियाली मिलती है वहाँ लोग बस जाते हैं जिसे नखलिस्तान/मरूद्यान कहते हैं। यहाँ पाई जाने वाली सांभर झील में नमक का उत्पादन किया जाता है।

दक्षिण का पठारी भाग

उत्तर के विशाल मैदान व तटीय भागों के बीच दक्षिण का पठार/प्रायद्वीपीय पठार स्थित है। इसकी आकृति त्रिभुजाकार है। इसके उत्तर में विन्ध्य एवं सतपुड़ा पर्वत उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वत और दक्षिण में पूर्वी और पश्चिमी घाटों से घिरा है।
इस पठार को निम्न भागों में बाँटा गया -

दक्षिण का पठार

मालवा का पठार	छोटा नागपुर पठार	दक्कन का पठार
पश्चिम भाग में स्थित चम्बल, बेतवा आदि का उद्गम स्थल है।	उत्तरी-पूर्वी भाग में स्थित है। खनिज समृद्ध पठार है।	यहाँ पूरब की ओर बहने वाली- महानदी, गोदावरी- कृष्णा, कावेरी

समुद्र तटीय मैदान और द्वीप समूह

पश्चिमी घाट के पश्चिम में तथा पूर्वी घाट के पूरब में तटीय मैदान स्थित हैं। पूर्वी तटीय मैदान में महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी नदियां बहती है जो बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले डेल्टा का निर्माण करती हैं। पूर्वी तटीय मैदान की मुख्य झीलें- चिल्का, कोलेरू और पुलीकट हैं

भारत के दो द्वीप समूह हैं- लक्षद्वीप (अरब सागर में)
अण्डमान और निकोबार (बंगाल की खाड़ी में)

कुछ परीक्षोपयोगी तथ्य

- अरावली पर्वत का सर्वाधिक ऊंचा शिखर गुरु शिखर है जो माउण्ट आबू (राज-) की पहाड़ी पर है।
- अरावली पर्वत विश्व के सबसे मोड़दार पर्वतो का अवशिष्ट पर्वत है।
- विश्व की प्राचीनतम श्रृंखला अरावली पर्वत श्रृंखला है।
- नीलगिरि की सबसे ऊँची चोटी डोडाबेट्टा है।
- सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ है।
- नागा पर्वत की सबसे ऊँची चोटी सारामती है।
- अण्डमान निकोबार की सबसे ऊँची चोटी सैडलपीक है।
- बुन्देलखण्ड नगर को उत्थात भूमि का प्रदेश कहा जाता है
- पूर्वी घाट की सर्वाधिक ऊँची चोटी विशाखापतनम है।
- दक्षिण भारत का सर्वोच्च शिखर अन्नाईमुड़ी (२६३३ मी.) है

द्वीप

भारत में कुल द्वीप - 1000 से अधिक

दो प्रमुख द्वीप - 1. अण्डमान व निकोबार (सबसे बड़ा)
2. लक्षद्वीप

- भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी - बैरन द्वीप (जो अण्डमान व निकोबार समूह के पूर्वी क्षेत्र में)
- निकोबार द्वीपो की राजधानी माना जाता - कार निकोबार
- लक्षद्वीप - यहाँ 39 द्वीप (11 पर मानवीय आवास)
- अवस्थिति - अरब सागर में (केरल के तट से 400 k.m)
- राजधानी - कावारत्ती
- लक्षद्वीप समूह का का दक्षिणी द्वीप - मिनिकाय द्वीप
- अण्डमान व निकोबार अवस्थित - बंगाल की खाड़ी में
- अण्डमान व निकोबार में कुल द्वीप - 572 (इनमें 38 मानव द्वारा निवास हेतु)
- अण्डमान व निकोबार को अलग करने वाला चैनल - दस डिग्री चैनल
- अण्डमान व निकोबार की राजधानी - पोर्ट ब्लेयर
- अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह का सबसे उत्तर स्थित द्वीप - प्रेपोरिस द्वीप
- सबसे दक्षिणी द्वीप - ग्रेट निकोबार

अण्डमान निकोबार द्वीप समूह को - मरकत द्वीप भी कहते है